नवांकुर विद्यापीठ

मासिक समाचार-पत्र

क्रमशः

अंक 45 माह अगस्त 2010

प्रकाशक: नवांकुर प्रकाशन, गंजबासौदा दूरभाष: 221066,220769,223399

प्रति,

सार-समाचार

''नमन'' पुस्तिका का विमोचन–

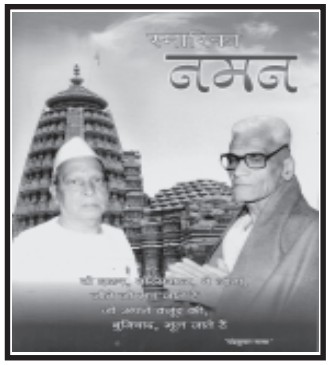

गत सप्ताह बासौदा नगर के साहित्यकार–संघ द्वारा ''नमन'' पत्रिका का विमोचन किया गया। यह स्मारिका स्वर्गीय श्री बाबूलाल जी माहेश्वरी एवं स्वर्गीय श्री बाबूलाल जी चाचा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केन्द्रित है।

इस स्मारिका के माध्यम से स्व. श्री बाबूलाल जी माहेश्वरी एवं स्व. श्री बाबूलाल जी चाचा द्वारा एवं अन्य समाजसेवियों द्वारा सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक संस्थाओं के माध्यम से किये गये जनसेवा कार्यों से आमजन को अवगत कराने का प्रयास किया गया है।

धोनी ने सचिन को पीछे छोड़ा–

महेन्द्र सिंह धोनी 200 करोड़ रुपये के करार के साथ भारतीय खेलों के इतिहास में सबसे बड़े ब्रान्ड बन गये हैं। धोनी ने रीति स्पोर्ट्स मैनेजमेण्ट और माइण्ड स्केप्स–वन के संयुक्त उपक्रम के साथ अनुबन्ध पर दस्तखत किये और इसके साथ ही उन्होंने मास्टर ब्लास्टर सचिन तेन्दुलकर को देश के सबसे बड़े ब्राण्ड के रूप में काफी पीछे छोड़ दिया।

पन्ना में निकला एक करोड़ का हीरा–

पन्ना जिला में स्थित राष्ट्रीय खनिज विकास निगम की हीरा खनन परियोजना मझगँवा में 34.39 कैरेट का बेशकीमती हीरा मिला है। गत तीन दशक मे ंनिगम की हीरा खदान में से निकला यह सबसे बड़ा हीरा है। इसकी कीमत एक करोड़ रुपये से भी अधिक आँकी जा रही है।

सबसे बड़ा सोने का सिक्का 18 करोड में बिका–

दुनिया का सबसे बड़ा सोने का सिक्का नीलामी में 39.90 लाख डॉलर (लगभग 18 करोड़ रु.) में बिका। 52 सेमी व्यास के इस सिक्के का वजन 100 किलो है।

साइना नेहवाल दुनिया में नम्बर टू–

भारतीय बैडमिण्टन खिलाड़ी साइना नेहवाल दुनिया की नम्बर वन बैडमिन्टन खिलाड़ी बनने के अपने लक्ष्य के अब मात्र एक कदम दूर हैं। साइना विश्व बैडमिण्टन महासंघ की ताजा रैंकिंग में महिलाओं में एक स्थान की छलाँग लगाते हुए दूसरे स्थान पर पहुँच गयी हैं।

रुपया दुनिया की पाँचवी मुद्रा–

डॉलर, पौण्ड जैसी अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राओं की तरह ही भारतीय रुपये की भी अब विशेष पहचान होगी। कैबिनेट ने प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित भारतीय रुपये के प्रतीक को मंजूरी दे दी है। डॉलर, पौण्ड, यूरो और येन के बाद भारतीय रुपया प्रतीक का इस्तेमाल करने वाला विश्व की पाँचवी मुद्रा बन गया है। इस प्रतीक का डिजाइन असम के डी. उदय कुमार ने तैयार किया है।

शरत ने जीता खिताब–

छठी वरीयता प्राप्त ओलिम्पियन अचन्ता शरत कमल ने काहिरा में खेली गयी मिस्र ओपन टेबल टेनिस चैम्पियनशिप का खिताब फाइनल में हांगकांग के लिचियांग को 11–7, 11–9, 11–8, 11–4 से परास्त कर जीत लिया।

मनीष राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित–

नवांकुर विद्यापीठ के छात्र मनीष दुबे राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित हुए। उन्हें यह पुरस्कार राष्ट्रपति स्काउट पुरस्कार हेतु आयोजित परीक्षण–शिविर में उत्कृष्ट स्थान पाने पर प्रदान किया गया। परीक्षण–शिविर में म.प्र. से 32 छात्रों को इस पुरस्कार हेतु आमन्त्रित किया गया था, जिनमें से 9 विद्यार्थियों के समूह ने इस समारोह में म.प्र. का प्रतिनिधित्व किया था, जिनमें नवांकुर के छात्र मनीष दुबे भी थे। मनीष पुरस्कार–प्राप्ति के साथ–साथ महामहिम राष्ट्रपति से सहभोज पर रूबरू भी हुए।

पाँच उपग्रहों को कक्षा में सफलता से स्थापित किया

सी–15 यान का कमाल

श्री हरिकोटा के सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्र से प्रक्षेपण के बाद ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान सी–15 ने सर्वाधिक उन्नत दूर संवेदी उपग्रह, कार्टोसेट–2 बी तथा चार अन्य छोटे उपग्रहों को सफलतापूर्वक ध्रुवीय स्थैतिक कक्षा में स्थापित कर दिया। देशी और विदेशी उपग्रहों को इस तरह से एक साथ अपनी कक्षाओं में स्थापित करने के लिए पी एस एल वी का नाम अन्तरिक्ष विज्ञान के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा।

बिना हेलमेट नहीं खरीद सकेंगे बाइक–

सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण व्यवस्था दी है कि दुपहिया वाहन कम्पनियों को अपने वाहनों की बिक्री के साथ हेलमेट देना भी जरूरी होगा।

–संकलनकर्ता सुनील भावसार(उ.श्रे.शि.)

प्रिय विद्यार्थियो,

नये सत्र में आपका हार्दिक अभिनन्दन है। आप सफलताओं की उन बुलंदियों को छुएँ जहाँ से ये सारा संसार आपको तुच्छ प्रतीत हो, ऐसी हमारी मनोकामना है। बीता समय हमें यादों की एक पुरानी सी टोकरी देकर हमेशा एक नये चौराहे पर छोड़ जाता है। जहाँ हमारे साथ मनरूपी रथ मे कुछ नये सपने, कुछ नये लक्ष्य और कुछ नयी उलझनें भी सवार होती हैं। अपने सपनों को उड़ान देने और अपनी मंजिल पर जीत का परचम लहराने के लिए कठिन परिश्रम, गुरुजनों का मार्गदर्शन और अपनो का आशीर्वाद जैसे अस्त्र–शस्त्र हमेशा से ही हमारे पास थे, हैं और रहेंगे, जिन का उचित उपयोग कर हम उलझन–रूपी जंजीरों को तोड़कर सफलताओं के पंखों से स्वच्छन्द विचरण कर सकते हैं, लेकिन क्या हमें इन अस्त्र–शस्त्रों का सही इस्तेमाल करना आता है? क्या हमने आज तक इनका सही इस्तेमाल किया है? इन प्रश्नों का उत्तर हमें हमारा अन्तर्मन ही दे सकता है, क्योंकि वह हमारा आईना है, जिसमें हम यह स्पष्ट देख सकते हैं कि हमने अब तक क्या खोया, क्या पाया। कहीं हम उस घमण्डी दुर्योधन की तरह तो नहीं होते जा रहे हैं, जो सभी साधनों के होते हुए भी युद्ध हार गया या कहीं हम जीत के नशे में चूर उस अधर्मी रावण के पद चिन्हों पर तो नहीं चल दिये हैं, जिसने अहंकार के जोश में होश खो दिये और नैतिकता का गला रौंद कर अपना चारित्रिक पतन कर लिया। यदि ऐसा है तो रुको, सम्भलो क्योंकि इतिहास गवाह है कि यह समय किसी का सगा नहीं होता है। आज देश को गाँधी या सुभाष की आवश्यकता नहीं है, बल्कि हमारी आवश्यकता है। इसलिए मैं यही कहूँगा कि हम सबके दुःखहर्ता, सबके सहारे भगवान् तो नहीं बन सकते, लेकिन कम–से–कम इन्सान तो बन ही सकते हैं। आप भविष्य में कुछ भी बनें, लेकिन सबसे पहले एक अच्छा इंसान बनें। अन्त में, ये दो पंक्तियाँ उन सभी बुद्धिजीवियों के लिए, जो अपने आपको इन्सान मानते हैं :–

''जहाँ भी जायेंगे, रोशनी लुटायेंगे।
किसी भी चिराग का अपना मकां नहीं होता।।''

असतो मा सदगमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृतंगमय।

–योगेश चतुर्वेदी(सम्पादक)
(व्या. भौतिकशास्त्र)

देश हमारा.....

देश हमारा सबसे प्यारा,
ऐसा मैंने सोचा था।
क्या ये बिल्कुल वैसा है,
जैसा मैंने सोचा था।
देश हमारा सबसे प्यारा.....
यहाँ हिन्दू भी हैं
मुसलमान भी हैं।
यहाँ सिक्ख भी हैं,
ईसाई भी हैं।
इतनी विविधताओं में यहाँ
आपस में सारे भाई ही हैं।
बढ़ेगा भारत, बढ़ेगा भारत
ऐसा मैंने सोचा था।
देश हमारा सबसे प्यारा.....
सत्य यहाँ, संस्कार यहाँ,
अतिथि का संस्कार यहाँ।
धर्म का व्यवहार यहाँ,
बुजुर्गों का प्यार यहाँ।
सिर पर आशीर्वाद सबके
ऐसा मैंने सोचा था।
क्या ये बिल्कुल वैसा है
जैसा मैंने सोचा था।
देश हमारा सबसे प्यारा.....।

–नीलेश जैन(सम्पादक)
सहा.शिक्षक डॉल्फिन

प्रतिभाएँ

कु. समीक्षा जैन(कक्षा-12)
विज्ञान समूह में
राज्य में
दसवाँ स्थान

कु. दीपाली आर्य(कक्षा-12)
विज्ञान समूह में
जिले में
प्रथम स्थान

विक्रम रघुवंशी(कक्षा-12)
विज्ञान समूह में
जिले में
द्वितीय स्थान

कु. नेहा दौंगी(कक्षा-12)
विज्ञान समूह में
जिले में
तृतीय स्थान

शशांक खटवानी(कक्षा-12)
वाणिज्य समूह में
जिले में
तृतीय स्थान

कु. समीक्षा शाक्य(कक्षा-10)
जिले में
नवाँ स्थान

अमृतांश कटियार(कक्षा-10)
जिले में
दसवाँ स्थान

संजय रघुवंशी(कक्षा-10)
जिले में
दसवाँ स्थान

जिस देश में हर व्यक्ति स्वयं को अपने पड़ोसी से श्रेष्ठ समझता हो,

मेरिट सूची 2010

कक्षा.	छात्र/छात्रा का नाम	माता का नाम	पिता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	कक्षा में स्थान
कक्षा–10	कु. समीक्षा शाक्य	श्रीमती निर्मला देवी	श्री आनंददेव	554/600	92.33%:	प्रथम
	अमृतांश कटियार	"पुष्पा कटियार	"बैजनाथ	552/600	92:%	द्वितीय
	संजय रघुवंशी	"कान्तिबाई रघुवंशी	"भीमसिंह	552/600	92%	द्वितीय
	प्रदीप राजपूत	"कृष्णा राजपूत	"अमोलसिंह	551/600	91.83%:	तृतीय
	कु. रूचि राय	"सीमा राय	"संतोष कुमार	548/600	91.33%:	चतुर्थ
	कु. जूली किरार	"ज्ञानबाई किरार	"द्वारका प्रसाद	544/600	90.66:%	पंचम
कक्षा–12 गणित	कु. समीक्षा जैन	श्रीमती रेखा जैन	श्री संजय कुमार	469/500	93.80%:	प्रथम
	कु. दीपाली आर्य	"चन्द्रमुखी आर्य	"स्व. गुलाबचन्द	465/500	93%:	द्वितीय
	विक्रम रघुवंशी	"मानाबाई	"जसवन्तसिंह	464/500	92.80%:	तृतीय
	कु. नेहा दांगी	"लता दांगी	"प्रहलाद सिंह	462/500	92.40%:	चतुर्थ
	कु. दीपा शर्मा	"मालती शर्मा	"ब्रजेश शर्मा	459/500	91.80%:	पंचम
कक्षा–12 बायो	कु. रानी रघुवंशी	"गिरजा रघुवंशी	"बालाराम	423/500	84.60%:	प्रथम
	कु. प्रियंका अग्रवाल	"ममता अग्रवाल	"विष्णु अग्रवाल	421/500	84.20%:	द्वितीय
	कु. महक जैन	"ज्योति जैन	"सुधीर जैन	381/500	76.20%:	तृतीय
	कु. विशाखा रघुवंशी	"पार्वती रघुवंशी	"जयराज सिंह	363/500	72.60%:	चतुर्थ
	कु. पुष्पलता	"सुनीता	"स्व. रूपचन्द	361/500	72.20%:	पंचम
कक्षा–12 कॉमर्स	शशांक खटवानी	"पूनम खटवानी	"जीवन खटवानी	430/500	86%	प्रथम
	रीतेश रघुवंशी	"जमनाबाई रघुवंशी	"भोगीराम	404/500	80.80%:	द्वितीय
	कु. प्रीति रघुवंशी	"श्याम बाई रघुवंशी	"महाराजसिंह	383/500	76.60%:	तृतीय
	कु. प्रियंका दाँगी	"हीराबाई दाँगी	"बहादुर सिंह	366/500	73.20%:	चतुर्थ
	कु. दीपना जोशी	"रेखा जोशी	"अशोक कुमार	363/500	72.60%:	पंचम

परीक्षा-परिणाम एक नजर में.....

कक्षा	कुल छात्र	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	अनुत्तीर्ण छात्र	पूरक	श्रेणी			प्रतिशत
						प्रथम	द्वितीय	तृतीय	
10	211	211	206	01	04	176	29	01	97%:
12(गणित)	147	147	141	02	04	123	18	–	95%:
12(जीव.)	22	22	21	–	01	17	04	–	95:%
12(कॉम.)	48	48	48	–	–	33	14	01	100%:

नवांकुर ने पहुँचाया मुझे राष्ट्रपति-पुरस्कार तक

जब हमने स्काउटिंग में प्रवेश लिया था, तब हमें यह ज्ञात नहीं था कि आज हम इस मुकाम पर पहुँचेंगे। यह मुकाम तो ईश्वर और हमारे गुरुओं की कृपा दृष्टि का ही फल है।

राष्ट्रपति स्काउट रैली

राष्ट्रपति स्काउट–रैली का प्रारम्भ दिनांक 11.07.2010 से राष्ट्रीय स्काउट केन्द्र, गतपुरी हरियाणा में हुआ । म0प्र0 से चार स्काउट, तीन गाइड, एक रोवर तथा एक लीडर तथा श्रीमती जागृति जी सहित नौ स्काउट्स गाइड्स का दल पहुँचा । ये सभी स्काउट–गाइड अपने–अपने सम्भाग से चुने गये थे, यहाँ म0प्र0 का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। यह रैली 11.7.2010 से 15.7.2010 तक आयोजित हुई। 14.07.2010 को राष्ट्रपति–भवन में 11 बजे कार्यक्रम हुआ।

11.07.2010 से 13.07.2010 तक की गतिविधियाँ-

इन तीनों कार्यक्रमों में हमें मुख्य कार्यक्रम के लिए तैयार किया गया। सुबह से लेकर रात तक हम तैयारियों में जुटे रहते थे। 11 तारीख को प्रत्येक राज्य से एक स्काउट व एक गाइड को मार्च – पास्ट और प्रमाण–पत्र प्राप्त करने के लिए चुना गया। इसी दिन हमें मुख्य कार्यक्रम के बारे में पूर्ण रूपेण बताया गया। मुख्य कार्यक्रम के लिए दो गीत चुने गये। कश्मीरी और मलयालम गीत सभी स्काउट्स–गाइड्स को सुनाया गया और उनमें से कुछ का चयन ग्रुप में गाने के लिए किया गया। यह गीत सभी को गाना था। सभी को लिखाया गया। इसी प्रकार 12 तारीख को भी सभी कार्यक्रमों का पुनः–अभ्यास कराया गया।

फायनल अभ्यास (13.07.2010) –

13.07.2010 को सुबह सभी आवश्यक निर्देश दिये गये और शाम को कैम्प फायर तथा पुरस्कार वितरण के कार्यक्रम की चर्चा हुई। शाम को पहले पुरस्कार वितरण का अभ्यास किया गया। शाम को एशिया स्काउट गाइड के अध्यक्ष श्री जैन महोदय भी मौजूद थे। उनकी उपस्थिति में अभ्यास और फिर कैम्प फायर का आयोजन हुआ। कैम्प फायर में राजस्थान, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, जम्मू–कश्मीर, मेघालय, उ0प्र0, असम राज्यों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। इसी कार्यक्रम में मलयालम और कश्मीरी गीत का भी अभ्यास किया गया। सभी को कल के कार्यक्रम–सम्बन्धी निर्देश दिये गये।

मुख्य कार्यक्रम (14.07.2010)

14.07.2010 को ठीक 10 बजे कुल 33 राज्यों, जिनमें रेलवे–संघ भी सम्मिलित है, के 290 स्काउट–गाइड एवं रोवट–रेंजर्स सहित पूरा राष्ट्रपति स्काउट–गाइड दल राष्ट्रपति भवन पहुँचा। राष्ट्रपति भवन में ठीक 11 बजे से कार्यक्रम प्रारम्भ होना था। 10:15 पर हम राष्ट्रपति–भवन के अन्दर प्रविष्ट हुए। भवन की विशालता एवं सुन्दरता से हमारा मन प्रसन्नता से विभोर हो गया। वहाँ सुरक्षा भी देखने योग्य थी। बाहर भी अत्यन्त सुन्दरता थी और प्रकृति से आच्छादित यह राष्ट्रपति भवन बाहर से जितना अनोखा है, अन्दर भी उतना ही अद्‌भुत है।मुख्य कार्यक्रम राष्ट्रपति भवन के अन्दर ''अशोका–हॉल'' में था। सभी दल वहाँ पहुँचे और सभी व्यवस्थाएँ कीं।

अशोका हॉल भी अत्यन्त सुन्दर कलाकृतियों और चित्रों से आच्छादित था। चारों तरफ प्राचीनता और आधुनिकता का सम्मिश्रण अत्यन्त दर्शनीय लगा। सामने की ओर चित्रकला भी अत्यन्त शोभित हो रही थी।

ठीक 11:08 पर राष्ट्रपति–भवन का बैण्ड बजना प्रारम्भ हुआ और उसी के साथ महामहिम राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल महोदय जी का सेना के तीनों प्रतिनिधियों–सहित आगमन होता है। उनके

आने के तुरन्त बाद राष्ट्रगान की धुन बजती है और फिर कार्यक्रम प्रारम्भ होता है। उनके साथ म0प्र0 के राज्यपाल और भारत स्काउट गाइड के अध्यक्ष श्री रामेश्वर ठाकुर एवं एशिया स्काउट–गाइड–संघ के अध्यक्ष श्री जैन (पूर्व आई0ए0एस0) भी मौजूद थे। श्री जैन ने महामहिम से कार्यक्रम प्रारम्भ करने की अनुमति माँगी और उनकी आज्ञा के बाद कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। संचालन श्रीमती गीता जी कर रही थीं। क्रमशः सर्वप्रथम वयस्क स्काउट–शिक्षकों को विशिष्ट सम्मान और फिर राज्यवार स्काउट–गाइड को राष्ट्रपति पुरस्कार का प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के अन्त में महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा हिन्दी में स्काउट–गाइड से दो बातें की गयीं। उन्होंने अपने अभिभाषण में बधाइयों के साथ–साथ स्काउट के कार्यों की सराहना की। उनके अभिभाषण के बाद आभार (गाइड–कैप्टन द्वारा) प्रकट किया गया। अन्त में राष्ट्रगान की धुन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ और महामहिम का प्रस्थान।

कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति–भवन में हल्के भोजन का प्रबन्ध किया गया था।

यह मुख्य कार्यक्रम प्रत्येक स्काउट–गाइड के जीवन का अद्वितीय पल था। यह सम्मान हमारा नहीं, अपितु हमारे शिक्षकों, हमारे विद्यालय और हमारे माता–पिता का है, जो इसके सच्चे हकदार हैं।

15.07.2010 को 8 बजे ध्वज–अवतरण के बाद शिविर का समापन हुआ। राष्ट्रपति स्काउट–गाइड–रैली किसी के भी जीवन का अद्वितीय और अद्भुत पल होता है। राष्ट्रपति–सम्मान से हमें गौरव प्राप्त होता है।

इस पुरस्कार का सही अधिकार तो उन सबका है, जिन्होंने हमें इस मुकाम तक पहुँचाया।

हमें यहाँ तक पहुँचाने में आदरणीय श्री बी0एस0 भदौरिया जी, स्काउट मास्टर श्री रामबाबू रघुवंशी, प्राचार्य महोदय और विभिन्न शिविरों में हमें प्रशिक्षित करने वाले शिक्षकों का योगदान है। हम हृदय से उन सबको नमन करते हैं। अब हमारा कर्तव्य है कि हम इस सम्मान की गरिमा को बनाये रखें।

–मनीष दुबे (स्काउट)

कोई नहीं है गैर बाबा

कोई नहीं है गैर बाबा कोई नहीं है गैर,
हिन्दू–मुस्लिम, सिख ईसाई,
हम आपस में भाई–भाई,
भारत माता सबकी माई।
मत रख मन में बैर बाबा कोई नहीं है,गैर।
भारत के सब रहने वाले,
कैसे गोरे, कैसे काले।
हिन्दू–मुस्लिम झगड़े पाले,
पड़ गये जिससे जान के लाले,
काहे का यह बैर बाबा कोई नहीं है,गैर।
राम समझ, रहमान समझ लें,
धर्म समझ, ईमान समझ लें,
मन्दिर कैसा, मस्जिद कैसी,
ईश्वर का स्थान समझ लें,
माँग सभी की खैर, बाबा कोई नहीं है गैर।

–कु. प्रीति राजपूत कक्षा–8

श्रद्धांजलि

विद्यालय की समिति के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. डी. पी.शर्मा जी की धर्मपत्नि का निधन विगत माह हुआ। विद्यालय परिवार की ओर से अश्रुपूरित श्रद्धांजलि।

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम बैठक सम्पन्न

नवांकुर विद्यापीठ में राष्ट्रीय–सेवा–योजना इकाई की पहली बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें 100 स्वयंसेवकों ने भागीदारी कर बैठक का शत्–प्रतिशत लाभांश लिया। इस बैठक में छात्र–छात्राओं हेतु

उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें रासेयो के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी कार्यक्रम अधिकारी हरिओमशरण शर्मा एवं सन्दीप रावत ने प्रदान की। साथ ही स्वयं सेवकों ने विभिन्न विधाओं में अपनी प्रस्तुतियाँ देकर रासेयो में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। इसके अतिरिक्त, बैठक में प्रथम छः माही गतिविधियों हेतु आयोजित होने वाले विभिन्न दिवसों एवं अन्य आयोजनों की रूपरेखा तैयार की।

पालकों की कलम से.....

प्रिय बच्चो,

नवांकुर विद्यालय के नन्हें फूलों से सुन्दर बच्चो आपकी निश्छल हँसी से महकता आपका विद्यालय हमेशा आपके गुरुजनों की मेहनत एवं कर्मठशीलता से आपके भविष्य को सँवारते हुए आपको एक नन्हें सुन्दर खिलौनों से, विशाल सुन्दर प्रतिमा बनाने में जुटा है आपके गुरुजन समाज में, देश में स्थान हासिल करने योग्य आपको बनाते हैं। सर्वप्रथम में उन्हीं गुरुजनों को नमन करूँगी और आप सब बच्चों से उम्मीद करूँगी कि आप इतने परिश्रमशील बनें कि सारा समाज, देश आप पर गर्व करे। अपने विद्यालय का नाम रौशन करें। इतनी बुलन्दी हासिल करें कि कोई पथ, कोई कार्य कठिन न लगे। सदैव गुरुजनों का सम्मान करें, हमेशा नतमस्तक रहो, विद्यार्थी आरुणि के समान बनकर एक नव इतिहास का निर्माण करें।

दो पंक्तियाँ आपके आगे बढ़ने के लिए–
गतिशील करो जीवन को,
मन्जिल आसान नहीं,
कालचक्र गतिमान किसी का दास नहीं।
साँसों को सार्थक कर डालो,
क्योंकि साँसों का पलभर भी विश्वास नहीं।

पालक
–श्रीमती शकुन्तला पाठक

माह अगस्त में जन्मदिन वाले
सभी विद्यार्थियों को
"नवांकुर -परिवार"
का शुभाशीष!

कोलेस्ट्रोल

हम क्या और कितना खाते हैं इसी से हमारे रक्त में कोलेस्ट्रोल का घटना–बढ़ना जुड़ा है। कोई रोजाना जरूरत से ज्यादा कैलोरी का भोजन लेता है, गरिष्ठ, चर्बीवाला, तली चीजें खाता रहे, तो उसके शरीर में नुकसान–देह कोलेस्ट्रोल की मात्रा बढ़ जाती है, जबकि सन्तुलित पौष्टिक भोजन लेने से और थोड़ा परहेज करने से कोलेस्ट्रोल कम भी किया जा सकता है। कोलेस्ट्रोल घटाने के लिये कम कैलोरी लेना पहली जरूरत है। इससे वजन भी घटता है।

दूसरी जरूरत खान–पान की उन चीजों पर बन्दिश लगाने की होती है, जिनमें कोलेस्ट्रोल अधिक मात्रा में होता है। प्राकृतिक रूप से कोलेस्ट्रोल सिर्फ जानवरों से मिलने वाली खाने की चीजों में पाया जाता है। वनस्पतियों जैसे साग–सब्जियों और फलों में वह बिल्कुल नहीं होता। अण्डे की जरदी, जानवरों के कुछ खास अंगों के मांस (जैसे भेजा, कलेजी व गुरदे) और दुग्ध उत्पाद (जैसे घी, मलाई, पनीर और मक्खन) कोलेस्ट्रोल के धनी होते हैं।

अधिक वसा वाली चीजें भी कोलेस्ट्रोल बढ़ाती हैं। इस नजर में तली हुई चीजें सबसे अधिक नुकसानदेह हैं। बरगर, चीज, पनीर और क्रीमयुक्त ट्रिपल सैण्डविच, इतालवी पीजा, आलू की टिक्की, छोलेभटूरे, कचौड़ी, समोसा जैसे फास्टफूड में वसा कूट–कूटकर भरा होता है। वसा की भी दो किस्म होती हैं– संतृप्त वसा (सेच्युरेटेड फैट) और असंतृप्त वसा (अनसेच्युरेडेट)। संतृप्त वसा चूंकि कोलेस्ट्रोल के एल.डी.एल. घटक को बढ़ाती है, इसलिये नुकसान देह है, लेकिन असंतृप्त वसा कोलेस्ट्रोल के एच.एल. डी. घटक को घटाती है। इसलिए एक सीमा तक लाभकारी है।

वजन कम करने वाली कैलोरी की आहार सारिणी– मोटापे के शिकार व्यस्क व्यक्तियों के लिये उपयुक्त

अधिकतम कैलोरी 1200 कैलोरी

सुबह–

एक कप चाय, 1/2 छोटा चम्मच चीनी, अधिक से अधिक 50 मि.ली. दूध।

नाश्ता–

दो बड़े चम्मच दलिया या पन्द्रह बड़े चम्मच कार्नफ्लेक्स अथवा डबल रोटी का एक पीस, मध्यम आकार कप टोण्ड, दूध (200 मि.ली) इसमें एक छोटा चम्मच चीनी।

नाश्ते के बाद–

कोई एक फल बदल–बदलकर (100 ग्राम)

दोपहर का भोजन–

मध्यम आकार की दो चपातियाँ (40 ग्राम) या एक कप चावल। घी या मक्खनरहित आधा कप या एक कटोरी दाल (25 ग्राम) आधा कप या एक कटोरी सब्जी, एक कप (200 मि.ली.) दही एवं सलाद। एक छोटा चम्मच भोजन पकाने का तेल।

शाम–

एक कप चाय, आधा छोटा चम्मच चीनी, 50 ग्राम दूध, दो बिस्कुट।

रात का भोजन–

मध्यम आकार की चपातियाँ दो (40 ग्राम), आधा कप या एक कटोरी दाल, आधा कप या एक कटोरी सब्जियाँ, एक कप (200 मि. ली.) दही एवं सलाद।

–अभिषेक कुर्मी
कक्षा–11(जीवविज्ञान)

समय अमूल्य है

जिन्दगी में एक वर्ष का क्या महत्त्व है?
यह इसी वर्ष फैल हुए विद्यार्थी से पूछिये।
एक माह का महत्त्व जानना है तो–
उस माँ से पूछिये जिसने आठ माह के
बच्चे को जन्म दिया है।
सात दिन का महत्त्व जानना है तो
किसी साप्ताहिक पत्र के सम्पादक से मिलिये।
एक दिन का महत्त्व वह दिहाड़ी मजदूर ही बता
सकता है–
जिसे आज मजदूरी नहीं मिली है।
एक घण्टे का महत्त्व जानना है,
तो सिकन्दर से पूछिये।
जिसने आधा राज्य देकर एक घण्टे मौत को
टालने का आग्रह किया था।
एक मिनिट का महत्त्व उस भाग्यशाली से पूछिए
जो वर्ल्ड–ट्रेड–सेण्टर की इमारत गिरने से ठीक
एक मिनिट पहले ही सुरक्षित बाहर निकला है।
अब बचा एक सेकेण्ड, तो एक सेकेण्ड का महत्त्व
उस धावक से पूछिये–
जो एक सेकेण्ड की वजह से स्वर्ण–पदक
पाते–पाते रजत पदक पर रह गया।

–संकलनकर्ता
–कु. अपूर्वा शर्मा
कक्षा–11 (जीवविज्ञान)

बदल गया इंसान

कुत्ते को घुमाना याद रहा,
गाय की रोटी भूल गये।
ब्यूटी पार्लर याद रहा,
लम्बी चोटी भूल गये।
रिमोट कन्ट्रोल याद रहा,
बिजली का खटका भूल गये।
फ्रिज का पानी याद रहा,
मटके का पानी भूल गये।
बोतल और पाउच याद रहा,
प्याऊ का पानी भूल गये।
टी.वी. सीरियल याद रहा,
दादी की कहानी भूल गये।
हैलो, हाय याद रहा,
नमन प्रणाम भूल गये।
अंकल–आण्टी याद रहा,
काका–काकी भूल गये।
जींस–शर्ट याद रहा,
धोती–पायजामा भूल गये।
दोस्त–यार याद रहा,
सगे भाई को भूल गये।
पत्नी का बर्थडे याद रहा,
पर माँ की दवाईयाँ भूल गये।

–संकलन,कु. नेहा रामपुरी
कक्षा–11(जीवविज्ञान)

I Miss You, Miss

I Miss You, Miss तो स्कूल में होती है, स्कूल में तो बच्चे होते हैं, बच्चे तो छोटे होते हैं, छोटी तो चिड़िया भी होती है, चिड़िया तो उड़ती है, उड़ता तो कौआ भी है, कौआ तो काला होता है, काली तो बिल्ली भी होती है, बिल्ली तो शेर की मौसी होती है, शेर तो जंगल में रहता है, जंगल में तो हाथी भी होता है, हाथी तो बड़ा होता है, बड़ा तो सपना भी होता है, सपना तो रात में आता है, रात के बाद तो सुबह होती है, सुबह तो नाश्ता करते हैं, नाश्ते में तो अण्डा होता है, अण्डा तो दो रंग का होता है, दो रंग का तो जेब्रा भी होता है, जेब्रा तो घोड़े जैसा होता है, घोड़ा तो तांगा चलाता है, तांगे में तो बच्चे होते हैं, बच्चे तो स्कूल में होते हैं, स्कूल में तो Miss होती है, Miss से याद आया I Miss You.

–कु. संगीता शर्मा
कक्षा–12(गणित)

बतायें दिन

पंचांग बिन

दोस्तो! जादूगर आपको अवश्य लुभाता होगा। कई बार आपके मन में भी जादूगर बनने का विचार आता होगा, तो आइये आपको बनाये ''छोटा जादूगर'' आप सन् 2010 के किसी माह की किसी दिनांक का दिन 2 मिनिट में बता सकते हैं, बगैर कैलेण्डर या पंचाग की मदद से।

सूत्र (दी गई तारीख+ माह संकेतांक)–7 = शेष वाँ दिन

माह	संकेतांक	शेष	आधारित दिन
जनवरी	4	0	रविवार
फरवरी	7	1	सोमवार
मार्च	7	2	मंगलवार
अप्रैल	3	3	बुधवार
मई	5	4	गुरुवार
जून	8	5	शुक्रवार
जुलाई	3	6	शनिवार
अगस्त	6		
सितम्बर	9		
अक्टूबर	4		
नवम्बर	7		
दिसम्बर	2		

उदाहरण 10 मई का दिन बतायें–

=(10+5)–7

=15–7

= 8 वाँ दिन

= सोमवार

कैसा लगा जादू?ये संकेतांक केवल 2010 के हैं। अन्य वर्षों के संकेतांक खुद बनाये और खूब जादू चलायें।

–अभय कुमार लोधी
कक्षा–11(जीवविज्ञान)

माता–पिता

''माता–पिता ने तुझको खून पिलाकर पाला है, उस खून की कीमत चुकाने का अब अवसर आया है, उन्हें खून के आँसू रुलाकर, क्या तू सुखी रह पायेगा। वह खून तेरी शिराओं से फूट–फूट कर बह जायेगा।

इन पंक्तियों से आशय है कि ''माँ–बाप हमें खून–पसीना एक कर पालते हैं और जब वे बूढ़े हो जाते हैं और हमारा कर्ज चुकाने का अवसर आता है, तो हम उन्हें घर से निकाल देते हैं, अर्थात् उनका तिरस्कार कर देते हैं। आप ही सोचिये कि ऐसा करकर आप सुखी रह पायेंगे? आप को अपने कर्म का दण्ड अवश्य मिलेगा।

मैंने देखा कि जब माता–पिता वृद्ध हो जाते हैं, तो उनके बच्चे उनके घर, सम्पत्ति और अधिकारों पर कैसे कब्जा कर लेते हैं।

मैंने सुना था कि मनुष्य की वृद्धावस्था में उसका बचपना लौट आता है और देखा भी कि, किस तरह उनके बच्चे उन्हें, डाँटकर, चुप कराकर कोने में बिठाल देते हैं, ऐसा तो मस्ती करने पर बच्चों के साथ ही होता है।

''अगर आप अपने घर से,

माता–पिता को निकाल देते हैं,तो आप अपने घर से भगवान् को निकाल देते हैं।हम यह सब कई बार पढ़ चुके हैं, लेकिन जब हमारे माता–पिता बूढ़े हो जाते हैं, तो हम अपने जीवन के उन पलों को भूल जाते हैं कि जब हमें ब्रश करने, नहाने, कपड़े पहनने, शर्ट का बटन लगाने, कंघी करने, यहाँ तक कि सोने के लिए भी माँ की लोरी की आवश्यकता होती थी। जब हम बड़े हो जाते हैं, तो उसी माँ को चुप रहने के लिए कहते हैं, फिर हम भूल जाते हैं कि ''हमें दूसरों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिये, जो हमें हमारे साथ पसंद न हो।''

माता–पिता ने हमारे जीवन की नींव डाली है, गुरुजनों ने हमें आकार दिया है और दुनिया की मार ने हमें मजबूत बनाया है और आज हम उसी

नींव को खोदने में लगे हैं। अतः आप ही सोचिए कि परिणाम क्या होगा?

Live with parents multiple joys and divides grifes.

–विवेक दाँगी
कक्षा–12(गणित)

Laws of Success

The great sin- Gossip
The best action - Keep the mind clear and the judgement Good.
The biggest fool- The man who lies to him self.
The greatest Victory- Victory over self.
The best play- Successful work.
The greatest loss- Loss of self confidence.
The greatest need- Common sense.
The most potent force- Positive thinking
The most certain thing in life- Change
The most dangerous man- The liar.

-Naveen Dubey
Class-11th(Maths)

Teachers, the Architects

If we are the river,
They are the water.
If we are the trees,
They are the leaves.
If we are the books,
They are the authors.
If we are a country,
They are the great people.
If we are the sky.
They are the sun.

-Ku. Deeksha Deriya
Class-10th

I know you know That No Body Knows

Soudi Arabia has no Rivers!
Afganistan has no Railway Station!
Albania has no Religion!
The North pole has no Landmass!
Milk contains no Iron!
Africa has no Tigers!
The Elephant's trunk has no Bones!
Koala bear never drinks water!
A fish has no eyelash!
A Butterfly has no mouth!
Crocodiles don't have protrusible tongues!
Snakes don't have Ears!
A firefly has no stomach!
A Frog doesn't have a neck!
Rhinos do not fight with their Horns!
Bettle wasp isn't Poisonous!

-Nikint Tiwari
Class-10th

जीभ और दाँत

एक समय थे किसी देश में, एक सन्त विद्वान,
लोग हृदय से करते थे, उनका आदर सम्मान।
अन्त समय जब उनका आया, निर्बल हुए तब थकी काया, बड़े प्रेम से पास उन्होंने,
अपने शिष्यों को बुलवाया।
बोले मेरी जिह्वा है, देखो तो मुँह खोल,
शिष्य देखकर बोले हे प्रभु चीभ रही है डोल।
इस सन्त मन्द मुसकाते,शिष्यों को पूरा उलझाते।
बोले, दाँत समूचे मेरे, हैं या नजर नहीं आते।
कहा तुरन्त चेलों ने गुरुवर, आप वृद्ध भरपूर। गिर–गिर कर हो चुके, कभी के दाँत आपके चूर।
जिह्वा जन्मी संग हमारे, दाँत बाद में जन्मे सारे,
तो जिह्वा कोमल है बूढ़ी, ये जवान पर दाँते करारे।
अब बोलो तो कहा सन्त ने, क्या अचरज की बात?
उम्र दौड़ में सदा दाँत को, जिह्वा देती मात।

चेले सुनकर के चकराये क्या रहस्य है समझ न पाये।

तब सुन लो कहा सन्त ने, देता गुत्थी मैं सुलझाये। नम्र–लचीला सहनशील, आपत्ति झेलता खेल–खेल अकड़बाज और कुलिश न पाता, चोट समय की झेल।

–सचिन अहिरवार
कक्षा–10

पहेलियाँ

1. पूँछ कटे तो सिया, सिर कटे तो मित्र,
   मध्य कटे तो खोपड़ी, पहेली बड़ी विचित्र।
2. हरी टोपी, लाल दुशाला,
   पेट में है, मोती की माला।
3. मैं हरी, मेरे बच्चे काले,
   मुझको छोड़ मेरे बच्चे खाले।
4. एक गुनी ने कमाल किया,
   हरियल मार पिंजरे में दिया।
   देखो जादू का कमाल,
   डाला हरा निकाला लाल।
5. आगे–आगे बहना आई,
   पीछे–पीछे भैया।
   दाँत निकाले बाबा आये,
   बुरका ओढ़े मैया।

१. मिर्च, २. लाल मिर्च, ३. इलायची, ४. पान ५. भुट्टा

–कु. पूजा गुर्जर
कक्षा–9

सम्पादक मण्डल

शैलेन्द्र कुमार पिंगले 'सुमन'(व्याख्याता), सन्दीप रावत(व्याख्याता), अजीत सिंह बैस(व्याख्याता), योगेश चतुर्वेदी(व्याख्याता), सुनील भावसार(उ.श्रे.शि.), मनीष मैथिल(उ.श्रे.शि.), राजेन्द्र यादव(सहा.शि.), लक्ष्मी प्रसाद शर्मा(सहा.शि.) नीलेश जैन(सहा.शि., डॉल्फिन),

पश्चात्ताप

साल भर हमने की न पढ़ाई,
अब हमारे समझ में आई,
जब हाथ में ये मार्कशीट आई।
जो हम पढ़ते बारह मास,
आज होते हम भी पास।
न होती हमारी जग–हँसाई।
काश हम करते साल भर पढ़ाई
मेरी बात सुन लो भाई,
दिल लगाकर करना पढ़ाई।
अगर फिर भी न समझ आई,
निराशा ही हाथ लगेगी मेरे भाई।

–अंशुल अग्रवाल
कक्षा–9

मस्तिष्क में प्रतिक्रिया से आता है गुस्सा

'गुस्सा' आग बबूला होने की वजह से मस्तिष्क के कुछ भागों में हुई प्रतिक्रिया का नतीजा होता है। डच वैज्ञानिकों की टीम ने अपने शोध अध्ययन से यह खुलासा किया है। वैज्ञानिकों का दावा है कि इंसान द्वारा की गयी किसी भी हरकत से मस्तिष्क में प्रतिक्रिया होती है, जो उसके बाहरी स्वरूप में झलक जाती है। वैज्ञानिकों ने कम्प्यूटर के जरिये यह प्रयोग किया, जिसमें उन्होंने पाया कि एक ही समय में की गयी एक जैसी गलत क्रिया का दिमाग में उसका प्रतिक्रियात्मक स्वरूप एक जैसा दिखायी देता है। नीदरलैण्ड की निजमेगन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने यह अध्ययन किया है, जिसकी रिपोर्ट नेचर न्यूरोसाइंस में मई, सन् 2004 में प्रकाशित हुई। वैज्ञानिक हेवैन सिचे और सहयोगियों ने यह प्रयोग किया है।

–अनुज दुबे
कक्षा–8

National Parks

N.	Name	State
1.	Kanha National Park	M.P.
2.	Gir National Park	Gujrat
3.	Corbett National Park	Uttranchal
4.	Bandhavgarh National Park	M.P.
5.	Manas National Park	Assam
6.	Sundarban National Park	W. Bangel
7.	Madhav National Park	M.P.
8.	Satpuda National Park	M.P.
9.	Dudwa National Park	Uttrakhand
10.	Periyar National Park	Assam

-Sanskar Dixit
Class-V(Dolphin)

Diary

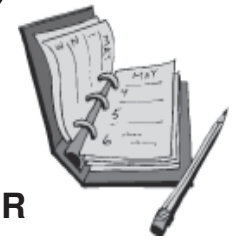

D - DEAR
I - I
A - ALWAYS
R - REMEMBER
Y - YOU

-Piyush Mathur
Class-V(Dolphin)

Do You Know

1.	BARC-	Bhabha Atomic Research Centre.
2.	CBI-	Central Bureau of Investigation.
3.	CIA-	Central Intelligence Agency(USA)
4.	CID-	Criminal Investigation Department
5.	CTTU-	Centre of Indian Trade Unions.
6.	CRPF-	Central Reserve Police Force
7.	ECG-	Electro Cardio Gram.
8.	FBI-	Federal Bureau Investigation.
9.	HMT-	Hindustan Machine Tools.
10.	ITDC-	Indian Tourism Development Corporation.

-Ku. Kajal Namdev
Class-IV(Dolphin)

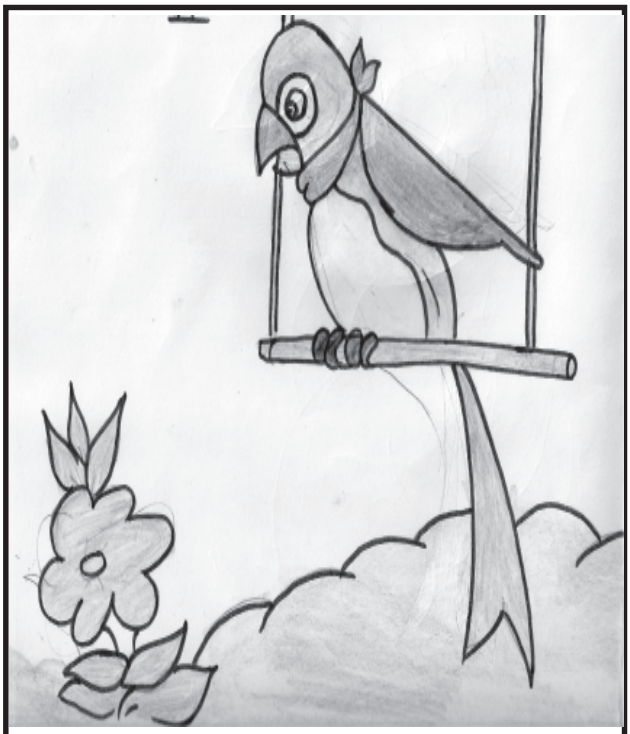

-Sini Mahalwar
Class-IV(Dolphin)

-Aman Sahu
Class-VI(Dolphin)

Prime Minister of India

1.	Pt. Jawaharlal Nehru	- 1947-1964
2.	Guljari lal Nanda	- May-June 1964
3.	Lal Bahadur Shastri	- 1964-1966
4.	Guljari lal Nanda	- 11-24 Jan. 1966
5.	Smt. Indra Gandhi	- 1966- 1977
6.	Morarji Desai	- 1977- 1979
7.	Charan Singh	- 1979-1980
8.	Smt Indra Gandhi	- 1980-1984
9.	Rajiv Gandhi	- 1984-1989
10.	Pratap Singh	- 1989-1990
11.	Chandra Shekhar	- 1990-1991
12.	P.V. Narsimha Rao	- 1991-1996
13.	Atal Bihari Bajpai	- 16-05-96 to 20-05-96
14.	H.D. Devgoda	- 1-06-96 to 20-04-97
15.	Indra Kumar Gujral	- 21-04-97 to 18-03-98
16.	Atal Bihari Bajpai	-19-03-98 to May 04
17.	Manmohan Singh	- 22 May 2004 Till

-Krishankant Tiwari
Class-12th(Com)

सन्देश

1. जल ही जीवन है, इसका अपव्यय न करें।
2. पशु एवं वन की रक्षा से ही मानव जीवन सम्भव है।
3. माता–पिता एवं गुरु का सदैव सम्मान करें।
4. व्यक्ति जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है।
5. क्षमा सर्वश्रेष्ठ गुण है।
6. आलोचक वह लँगड़ा है, जो दौड़ना सिखता है।
7. अहिंसा परम धर्म है।
8. पाप से घृणा करो, पापी से नहीं।
9. जैसा कर्म, वैसा फल।
10. परिश्रम से सभी कार्य सफल होते हैं।

–कु. साधना रघुवंशी
कक्षा–10

One Big Question
Who is Indian?

Indian is combination of every community and every culture to understand it, study this-

Hinduism - I
Jainism - n
Buddhism - d
Sikhism - i
Islamism - a
Chritianity - n

-Shubham Jain
Class-10

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

भारत का राष्ट्रीय ध्वज–	तिरंगा
भारत का राष्ट्र गान–	जन–गण–मन
भारत का राष्ट्र गीत–	वन्दे मातरम्
भारत का राष्ट्रीय चिन्ह–	अशोक स्तम्भ
भारत का राष्ट्रीय पंचांग–	शक् सम्वत्
भारत का राष्ट्रीय वाक्य–	सत्यमेव जयते
भारत की राष्ट्र भाषा–	हिन्दी
भारत का राष्ट्रीय लिपि–	देवनागरी लिपि
भारत के राष्ट्र पिता–	महात्मा गाँधी
भारत की राष्ट्रीय विदेशनीति–	गुटनिरपेक्ष
भारत को राष्ट्रीय पुरस्कार–	भारतरत्न
भारत का राष्ट्रीय वृक्ष–	पीपल
भारत की राष्ट्रीय मुद्रा–	रुपया
भारत का राष्ट्रीय पक्षी–	मोर
भारत का राष्ट्रीय पशु–	बाघ
भारत का राष्ट्रीय फूल–	कमल
भारत का राष्ट्रीय फल–	आम
भारत का राष्ट्रीय खेल–	हॉकी

–कु. मोना रघुवंशी
कक्षा–12(वाणिज्य)

–कु. सिमरन वर्मा कक्षा–11(गणित)

–शुभम पटवा कक्षा–8

-Pranjal
Class-IV(Dolphin)

–कु. हर्षिता गुर्जर कक्षा–11(वाणिज्य)

वर्तमान भविष्य से ज्यादा कीमती होता है। – संकलन कु. वर्षा कश्यप कक्षा–11(गणित)